संस्कृत विभाग की बैठक

दिनाङ्क 4 जनवरी 2019 को संस्कृत विभाग की ओर से विभागाध्यक्षा डॉ. सुमन कुमारी राजन की उपस्थिति में एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा की गयी –

1 निमन्त्रण-पत्र के विषय स्वरूप निर्धारण सम्बन्धी चर्चा
2. प्रमाण-पत्र का प्रारूप
3. संगोष्ठी में आमन्त्रित विद्वानों एवं विदुषियों के व्याख्यान प्रस्तुतीकरण सम्बन्धी समय सारणी पर चर्चा।
4. संयोजन समिति के निर्धारण सम्बन्धी चर्चा।
5. चाय-पान एवं भोजन की व्यवस्था
6. धन्यवाद ज्ञापन।

डॉ. सुमन कुमारी राजन
(विभागाध्यक्षा एवं एसोसिएट प्रोफेसर)

डॉ. रीजा (असिसटेंट प्रोफेसर)

Scanned with CamScanner

ओ३म्

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

DAYANAND MAHILA MAHAVIDYALAYA, KURUKSHETRA

(Estd. 1982)

Off. : 01744-270981
Fax : 01744-270361
Website : dmmkkr.com
E-mail : dmmkkr2010@rediffmail.com

Ref. No. (क्रमांक) DMM/19/21

Date (दिनांक) 01-01-19

प्रतिष्ठायाम्
प्राचार्य / प्राचार्या
_____
_____

विषय :– एक दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत–संगोष्ठी में भाग ग्रहण करने के लिये निमंत्रण पत्र।

महोदय / महोदया,

अत्यन्त हर्ष के साथ महाविद्यालय परिवार आपको सूचित करता है कि **30 जनवरी 2019 (बुधवार)** को हमारे महाविद्यालय की संस्कृत साहित्य परिषद् द्वारा हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्त्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस संगोष्ठी का विषय है :**'रामायण–महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य में अनुशीलन'**। अतः आप अपने महाविद्यालय से संस्कृत, हिन्दी के प्राध्यापक / प्राध्यापिका तथा शोधार्थियों को भेजकर इस राष्ट्रीय संगोष्ठी को सफल बनाने में सहयोग करें।

संस्कृत संगोष्ठी के लिए विचारणीय उपविषय निम्नलिखित हैः–

- उत्तरवर्ती साहित्य में रामायण–महाभारत के मूल कथानक में हुए परिवर्तन–परिवर्धन का साहित्यिक मूल्यांकन
- रामायण–महाभारत की सांस्कृतिक चेतना का संस्कृत साहित्य में विस्तार
- रामायण–महाभारत की सांस्कृतिक चेतना का हिन्दी साहित्य में विस्तार
- रामायण–महाभारतगत प्रमुख पुरुष पात्रों का उत्तरवर्ती साहित्य में चारित्रिक अनुशीलन
- रामायण–महाभारतगत प्रमुख स्त्री पात्रों का उत्तरवर्ती साहित्य में चारित्रिक अनुशीलन
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य में सामाजिक चेतना
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य में राजनैतिक चेतना
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य में धार्मिक चेतना
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य में शैक्षिक चेतना
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य का भक्ति दर्शन
- रामायण–महाभारत आधारित साहित्य का स्त्री विमर्श

1. शोध–पत्र सार महाविद्यालय की (dmmkkrsktsemi2019@gmail.com) E-mail id पर 19.1.2019 तक अवश्य भेज दें। शोध–पत्र सार कम से कम दो सौ (200) शब्दों में होना अनिवार्य है।
2. शोध–पत्र सार का Font : Krutidev10, Size 16, Line Space 1 होना अनिवार्य है।
3. शोध–पत्र की एक टंकित प्रति पंजीकरण के समय जमा करवानी अनिवार्य होगी।
4. पंजीकरण शुल्क : प्राध्यापक / प्राध्यापिका हेतु 500 / – (पांच सौ रुपये) तथा शोधार्थी के लिये 200 / – (दो सौ रुपये)।
5. आयोजक संस्था द्वारा मार्गव्यय वहन नहीं किया जाएगा।

प्राचार्या
डॉ0 विजेश्वरी
9416950702

मुख्य संरक्षक :
डॉ. रामप्रकाश
पूर्व सांसद, राज्यसभा
अध्यक्ष, प्रबन्ध समिति

संरक्षिका :
डॉ.(श्रीमती) विजेश्वरी
(प्राचार्या)

आयोजन समिति :
डॉ.(श्रीमती) सुमन राजन,
(संयोजिका)
मो. 9416291884
डॉ. रीजा
(सह–संयोजिका)
मो. 9065580008
डॉ. मनजीत कौर
मो. 9992295520
डॉ. सीमा सिंह
मो. 9416935505
डॉ. आरती अग्रवाल
मो. 7015102723
सुश्री ऋचा वर्मा
मो. 9896390166

पंजीकरण
9.00 A.M. to 9.30 A.M.

उद्घाटन
9.30 A.M.

समापन
3.30-5.00 P.M.

Scanned with CamScanner

हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला

के सौजन्य से

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

देशोऽस्ति हरियाणाख्यः
पृथिव्यां स्वर्गसन्निभः

द्वारा आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी

में आप सादर आमंत्रित हैं

''रामायण-महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य में अनुशीलन''

30 जनवरी, 2019

रामप्रकाश (डॉ.)
पूर्व सांसद, राज्यसभा
अध्यक्ष, प्रबन्ध समिति

श्रीमती विजेश्वरी (डॉ.)
प्राचार्या

श्रीमती सुमन राजन (डॉ.)
संयोजिका, विभागाध्यक्षा

Website: dmmkkr.com | E-mail: dmmkkr2010@rediffmail.com
Phone: 01744-270981

Scanned with CamScanner

कार्यक्रम

पंजीकरण : प्रातः 9.00 – 9.30 बजे तक

उद्घाटन सत्र : प्रातः 9.30 – 11.00 बजे तक

मुख्यातिथि

डॉ. सोमेश्वर दत्त

निदेशक, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला

बीजभाषण वक्तव्य

प्रो. बलवीर आचार्य

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक

अध्यक्षीय भाषण

डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार

पूर्व निदेशक, संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान, कु.वि.कु.
ओ.एस.डी. राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश

जलपान : 11.00 – 11.15 बजे तक

प्रथम सत्र : 11.15 – 1.00 बजे तक

मध्याह्न भोजन : 1.00 – 1.30 बजे तक

द्वितीय सत्र : 1.30 – 2.30 बजे तक

तृतीय सत्र : 2.30 – 3.30 बजे तक

समापन सत्र : 3.30 – 4.30 बजे तक

प्रो. अरविन्द कुमार

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

समापन वक्तव्य

प्रो. भीम सिंह

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

संगोष्ठी विवरण : सायं 4.35 बजे

धन्यवाद ज्ञापन : 4.40 बजे

जलपान : 4.45 बजे

Scanned with CamScanner

महाविद्यालय का परिचय

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र की स्थापना सन् 1982 ई॰ में आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की पावन स्मृति में की गई। महाविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की लड़कियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ समाज में फैली अज्ञानता एवं पाखण्ड को दूर करते हुए उत्तम चरित्र-निर्माण करना है। महाविद्यालय अपनी शैक्षिक उपलब्धियों के लिए न केवल जिला स्तर पर अपितु प्रदेश स्तर पर भी विशेष पहचान रखता है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र की मेरिट सूची में हमारे महाविद्यालय की छात्राएँ स्थान प्राप्त करती हैं, छात्राओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में विषयों से सम्बद्ध एवं विषयेत्तर 36 परिषदों का गठन किया गया है, जिनके द्वारा वर्षभर सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियाँ चलाई जाती है। खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है। महाविद्यालय में इस समय 2200 छात्राएँ विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। जिनमें बी॰ए॰ सामान्य एवं बी॰ए॰ वोकेशनल, बी॰कॉम॰ सामान्य एवं बी॰कॉम॰ वोकेशनल, बी॰एस॰सी॰ नॉन मेडिकल एवं बी॰एस॰सी॰ कम्प्यूटर साईंस, बी॰टी॰एम॰, एम॰ए॰ अंग्रेजी तथा एम॰कॉम पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक चल रहे हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न एड ऑन कोर्स (फैशनडिजाइनिंग, सैक्रेटरियल, प्रेक्टिस, काऊँसलिंग एवं साईकोथेरेपी) भी महाविद्यालय में छात्राओं को रोजगार एवं स्व रोजगार उपलब्ध कराने के लिए चलाए जा रहे हैं। सत्र 2017-18 में महाविद्यालय की 21 छात्राओं का चयन विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किया गया है। देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत एन॰सी॰सी॰ कैडेट एवं एन॰एस॰एस॰ स्वयं सेविकाएँ समय-समय पर सामजिक गतिविधियों में भाग लेती रहती हैं।

महाविद्यालय में महापुरुषों से सम्बन्धित विशेष दिवस एवं राष्ट्रीय उत्सव मनाए जाते हैं। साप्ताहिक हवन यज्ञ का आयोजन किया जाता है। महाविद्यालय में छात्राओं के लिए स्मार्ट क्लास रूम, सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ, वातानुकूलित सेमिनार हॉल, पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी सभागार, मल्टीमीडिया कक्ष कैन्टीन पुस्तकालय एवं गुरु विरजानन्द दण्डी सन्दर्भ ग्रन्थ पुस्तकालय भी स्थापित है। छात्राओं को वैदिक, नैतिक तथा आधूनिक मूल्यों पर आधारित उच्च शिक्षा प्रदान करके स्वावलम्बी और सशक्त बनाने के लिए महाविद्यालय में अपने-अपने विषयों में पारंगत सुयोग्य शिक्षिकाएं उनका मार्गदर्शन करती हैं।

संगोष्ठी के उप-विषय

- उत्तरवर्ती साहित्य में रामायण-महाभारत के मूल कथानक में हुए परिवर्तन-परिवर्धन का साहित्यिक मूल्यांकन।
- रामायण-महाभारत की सांस्कृतिक चेतना का संस्कृत साहित्य में विस्तार।
- रामायण-महाभारत की सांस्कृतिक चेतना का हिन्दी साहित्य में विस्तार।
- रामायण-महाभारतगत प्रमुख पुरुष पात्रों का उत्तरवर्ती साहित्य में चारित्रिक अनुशीलन।
- रामायण-महाभारतगत प्रमुख स्त्री पात्रों का उत्तरवर्ती साहित्य में चारित्रिक अनुशीलन।
- रामायण-महाभारत आधारित साहित्य में सामाजिक चेतना।
- रामायण-महाभारत आधारित साहित्य में राजनैतिक चेतना।
- रामायण-महाभारत आधारित साहित्य में धार्मिक चेतना।
- रामायण-महाभारत आधारित साहित्य में शैक्षिक चेतना।
- रामायण-महाभारत आधारित साहित्य में भक्ति दर्शन।
- रामायण-महाभारत आधारित साहित्य का स्त्री विमर्श।

Scanned with CamScanner

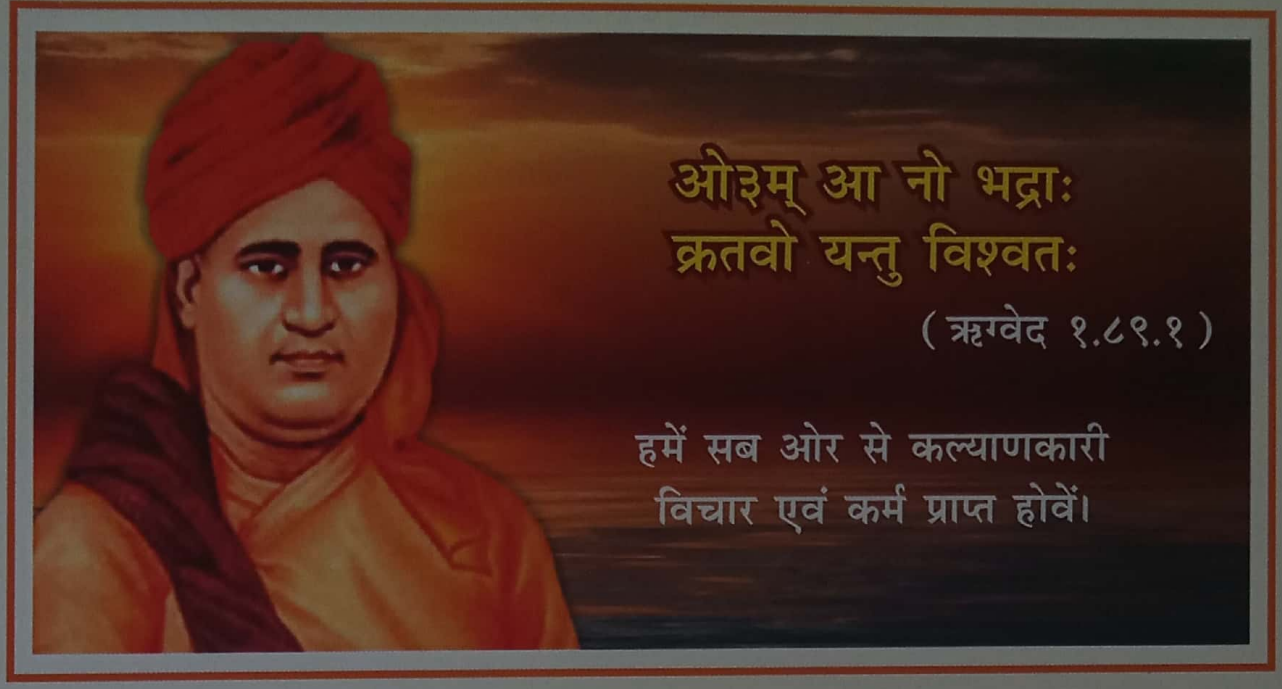

संयोजन समिति

डॉ. (श्रीमती) विजेश्वरी
प्राचार्या

डॉ. (श्रीमती) सुमन कुमारी राजन
संयोजिका

डॉ. रीजा
सह-संयोजिका

सदस्याएँ

डॉ. मनजीत कौर
अध्यक्षा, हिन्दी विभाग

डॉ. सीमा सिंह
सहायक प्राध्यापिका
हिन्दी विभाग

डॉ. आरती अग्रवाल
सहायक प्राध्यापिका
हिन्दी विभाग

सुश्री ऋचा वर्मा
सहायक प्राध्यापिका
कम्प्यूटर विभाग

Scanned with CamScanner

Dayanand Mahila Mahavidyalaya

Notice

Date 28.1.2019

All the students are informed that they are not to bring their vehicles on 30.01.2019 as Sanskrit Department is organizing a National Level Seminar on ''रामायण-महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य में अनुशीलन' on 30.01.2019.

Principal

Scanned with CamScanner

दैनिक जागरण
(29.01.2019)

रामायण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 30 को

जासं, कुरुक्षेत्र : दयानन्द महिला महाविद्यालय में 30 जनवरी को हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला के सौजन्य से रामायण-महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवं हिंदी साहित्य में अनुशीलन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र में हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के निदेशक डॉ. सोमेश्वर दत्त मुख्यातिथि होंगे। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के आचार्य प्रोफेसर बलबीर सिंह तथा डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार अध्यक्षीय संबोधन प्रस्तुत करेंगे।

पंजाब केसरी
(29.01.2019)

दयानन्द महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी कल

कुरुक्षेत्र, 28 जनवरी (अरोड़ा): सलारपुर रोड स्थित दयानन्द महिला महाविद्यालय में कल 30 जनवरी बुधवार को हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के सौजन्य से रामायण-महाभारत के आख्यानों का संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य में अनुशीलन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते महाविद्यालय की प्राचार्या डा. विजेश्वरी ने बताया कि इस अवसर पर उद्घाटन सत्र में डा. सोमेश्वर दत्त, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के निदेशक मुख्यातिथि होंगे। प्रो. बलबीर आचार्य, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा बीजभाषण वक्तव्य तथा डा. राजेन्द्र विद्यालंकार अध्यक्षीय सम्बोधन प्रस्तुत करेंगे। इसके अतिरिक्त संगोष्ठी में आमन्त्रित विद्वान डा. कृष्णा आचार्य, एम.डी.यू., रोहतक, डा. विभा अग्रवाल निदेशिका संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, प्रो. बह्मदेव अध्यक्ष, गुरुकुल कांगड़ी, विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डा. सोमवीर आर्य, संस्कृत विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय व डा. हरिप्रकाश प्राचार्य आई.जी.एन. कॉलेज लाडवा आदि उपस्थित रहेंगे।

दैनिक जागरण
(29.01.2019)

रामायण-महाभारत पर आधारित राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी 30 को

कुरुक्षेत्र। दयानंद महिला कॉलेज में हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला के सौजन्य से रामायण-महाभारत का संस्कृत एवं हिंदी साहित्य में अनुशीलन विषय पर राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी कराई जाएगी। प्राचार्या ने बताया कि 30 जनवरी को उद्घाटन सत्र में अकादमी निदेशक डॉ. सोमेश्वर दत्त मुख्य अतिथि होंगे। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के प्रो. बलबीर आचार्य द्वारा बीजभाषण वक्तव्य तथा डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार अध्यक्षीय संबोधन देंगे। संगोष्ठी में डॉ. कृष्णा आचार्य एमडीयू रोहतक, डॉ. विभा अग्रवाल निदेशिका संस्कृत एवं संस्थान केयू, प्रो. बह्मदेव अध्यक्ष गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, डॉ. सोमवीर आर्य संस्कृत विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. हरिप्रकाश, प्राचार्य आईजीएन कॉलेज लाडवा इत्यादि विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे। डॉ. सुशील कुमारी सहायक प्रो. मैत्रेयी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. अरविंद कुमार पूर्व अध्यक्ष संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग केयू, प्रो. भीम सिंह पूर्व अध्यक्ष संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग केयू भी शामिल होंगे।

आज समाज
(29.01.2019)

रामायाण-महाभारत पर आधारित संस्कृत संगोष्ठी कल

कुरुक्षेत्र। दयानन्द महिला महाविद्यालय में कल 30 जनवरी 2019 बुधवार को हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के सौजन्य से रामायण-महाभारतीय आ यानों का संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य में अनुशीलन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र में डॉ. सोमेश्वर दत्त, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के निदेशक मुख्यातिथि होंगे। प्रो. बलबीर आचार्य, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा बीजभाषण वक्तव्य तथा डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार अध्यक्षीय स बोधन प्रस्तुत करेंगे। इसके अतिरिक्त संगोष्ठी में आमन्त्रित विद्वान डॉ. कृष्णा आचार्य, एम.डी.यू., रोहतक, डॉ. विभा अग्रवाल निदेशिका संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र आदि भाग लेंगे।

दैनिक भास्कर
(29.01.2019)

डीएन कॉलेज में रामायण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी कल

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

डीएन महिला कॉलेज में हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला की ओर से रामायण-महाभारत आख्यानों का संस्कृत एवं हिंदी साहित्य में अनुशीलन विषय पर राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी 30 जनवरी को होगी। संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. सुमन राजन ने बताया कि उद्घाटन सत्र में हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला के निदेशक डॉ. सोमेश्वर दत्त मुख्यातिथि होंगे और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के ओएसडी डॉ. विद्यालंकार अध्यक्षता करेंगे। वहीं एमडीयू रोहतक के प्रो. बलबीर आचार्य मुख्य वक्ता होंगे। इस दौरान डॉ. कृष्णा आचार्य, डॉ. विभा अग्रवाल, प्रो. ब्रह्मदेव, डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. हरिप्रकाश, डॉ. सुशील कुमारी, प्रो. अरविंद कुमार

Scanned with CamScanner

Dayanand Mahila Mahavidyalaya, Kurukshetra

Duties for One day National Seminar organized by Department of Sanskrit

Date: 25.01.2019

Following staff members are requested to note their duties for National Seminar to be held on 30.01.2019.

Sr. No.	Duty	Name
1.	Printing of Invitation Cards, Flex Banner, Certificates, Receipt Book & Registration Forms	Dr. Suman Rajan Dr. Reeja
2.	Sending E-mails, Call for Papers, Downloading of Biodata, Receipt of Abstracts & Acknowledgement, Dispatch of Invitation Cards	Dr. Seema Singh Dr. Arti Aggarwal Ms. Richa Mrs. Bhavana Mrs. Lalita Anand
3.	Announcement a) Inaugural - b) Technical Session - I - c) Technical Session- II - d) Technical Session-III - e) Valedictory -	**Seminar Hall** Dr. Arti Aggarwal Dr. Reeja Dr. Reeja Dr. Seema Dr. Seema
4.	Reception of Guests	Dr. Suman Rajan Dr. Manjeet Dr. Seema Singh
5.	Refreshment of Guests	Dr. Shweta Saini Asstt. Mrs. Ishro
6.	Refreshment of Participants (Teachers & students)	Dr. Manjeet Kaur Mrs. Rukmesh
7.	Registration of Participants Registration Fee	Dr. Anu Chauhan Dr. Sonia Rani Mr. Sukhbir Singh
8.	Certificate Writing & Distribution (Receiving on Register)	Dr. Kamlesh Kaushal Dr. Pooja Sharma
9.	Stage Setting, Mike & Seating (Seminar Room)	Dr. Manjeet Dr. Reeja Mr. Satbir
10.	Deep Prajwalan	Dr. Manjeet Dr. Seema Asstt. Mrs. Babli
11.	Decoration	Ms. Namita
12.	Purchase of Mementoes & Folders (Notepads & Pens)	Dr. Suman Rajan Dr. Manjeet

Scanned with CamScanner

13.	Preparation of Ved Mantra	Dr. Kamlesh Kaushal
14.	Preparation of Report of the Seminar	Dr. Arti Aggarwal Dr. Reeja
15.	Press Note	Mrs. Punam Goyal Ms. Kamita Mr. Dharam Singh
16.	Photo slides & Technical Operations (Display on Computers, Boards, Projectors in Seminar Hall) Mike Generator	Ms. Richa Mrs. Bhavana Mr. Nitin Electrician (Mr. Deva Singh) Mr. Satbir Singh Mr. Jaswant
17.	Photos & Albums (For College & Guests)	Dr. Suman Rajan Dr. Reeja
18.	Remarks on Visitors Book & Thanks Letters	Dr. Suman Rajan Mr. Mukesh Kumar Mrs. Lalita Anand
19.	Cleanliness	Mrs. Kamla Mrs. Mahindro Mr. Sunil Mr. Sagar 21/2/19
20.	Discipline	Mrs. Meenakshi Thakral Period wise discipline duty of all the staff members

Principal

Principal
Dayanand Mahila Mahavidyalaya
Kurukshetra (Haryana)

Convener

25.01.19

Scanned with CamScanner

MBD WRITEWELL
Date .....
Page .....

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय :- रामायण - महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवम् हिन्दी साहित्य में अनुशीलन

दिनांक - 30/1/19

आयोजक - संस्कृत साहित्य परिषद्

Scanned with CamScanner

SR. NO	Name & Designation	College/ Institution	Phone, Email	Submitted/ Presented	Topic of paper	Received	Signa
1.	गुरलाल	इतिहास विभाग, कु॰वि॰कुरुक्षेत्र	9813211793		रामायण एवं महाभारतकालीन सहपात्र	Received [illegible]	[illegible]
2.	प्रवीन कुमार	इतिहास विभाग, कु॰वि॰ कुरुक्षेत्र	9467761677		महाभारत एवं नारी	For [illegible]	[illegible]
3.	डॉ॰ रुकमेश चौहान	इतिहास विभाग, दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र	9466835029		भारतीय साहित्य एवम् महाभारत	[illegible]	[illegible]
F 4.	पिंकी कुमारी	संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	9024889034		रघुवंश महाकाव्य में शासन व्यवस्था	पिंकी कुमारी	[illegible]
F 5.	डॉ॰(श्रीमती) विनय सिंहल	आर॰के॰ एस॰डी॰ महाविद्यालय, कैथल	9215503802		रामायण तथा महाभारत आधारित साहित्य में सामाजिक चेतना: महाकवि कालिदास के संदर्भ में	Vinay Singhal	Vinay Singhal
F 6.	डॉ॰ सन्तोष देवी	चौ॰ ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय, फतेहपुर पुण्डरी, कैथल	9466046128		रामायण-महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत साहित्य में अनुशीलन	[illegible]	Santosh (सन्तोष)
7.	[illegible]	[illegible]	9466941441		[illegible]	[illegible]	[illegible]
8.	Mrs. Urmila Singh	Dayanand Mahila Mahavidyalya, KKR	9467621777		Stress Management Through Bhagvad Gita	Singh	Singh
9.	Devika Singh	KITM,	9992691296		Stress Management Through Bhagvad Gita	Devika	Singh

Sr. No.	Name & Designation	College / Institution	Phone, Email	Submitted / Presented	Topic of paper	Received	Signature
10.	ममता शर्मा	दयानन्द महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र	8901251486		रामायण-महाभारत आख्यायित साहित्य में सामाजिक चेतना	Mamta Sharma	Mamta Sharma
11.	Priyanka	Dayanand Mahila Mahavidyalya	7988908489		Gender Roles and Representation of Divine Identity in Ramayana	Priyanka	Priyanka
12.	सरोज बाला	दयानन्द महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र	9416340648		महाभारत की कथा में साहित्यिक गुण	Saroj	Saroj
F 13.	डॉ॰ राजवीर आर्य	राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार	94161-64601		महाभारत के आख्यान : एक विवेचन	राजवीर आर्य	राजवीर आर्य
14.	लक्ष्मी	संस्कृत विभाग, कु॰ वि॰ कुरुक्षेत्र	9050443909		रामायण और भारतीय संस्कृति : एक विवेचन	Laxmi	Laxmi
F 15.	डॉ॰ सीमा बठला	सेठ नानक राय लोहिया जय राम गर्ल्स कॉलेज (लोहारमाजरा)	9996200606		रामायण आख्यायित साहित्य का स्त्री विमर्श	Seema Bathla	Seema Bathla
16.	Dr. Urmila Pangtal	Dayanand Mahila Mahavidyalya, KKR	9416484458		Religious Topics in the Contemporary Context: Need for a New Imagination	Urmila	Urmila Pangtal
17.	Dr. Neha	Dayanand Mahila Mahavidyalya, KKR	9416929863		The Impact of Ramayana on the Later Sanskrit Literature	Neha	Neha
F 18.	डॉ॰ विदुषा	राजकीय महिला महाविद्यालय, करनाल	9896932040		वाल्मीकि रामायण के दर्पण में भवभूतिकृत उत्तररामचरितम्	विदुषा	विदुषा
F 19.	डॉ॰ कृष्ण राम	आई॰ जी॰ एन॰ महाविद्यालय लाडवा	9717395451		रामायण-महाभारत कालीन साहित्य में शैक्षिक प्रणाली		

Scanned with CamScanner

Sr. No.	Name & Designation	College / Institution	Phone, Email	Submitted/ Presented	Topic of paper	Received signature
F 20.	डॉ. ऋचा त्रिवेदी	G.G.S.S.S पेहवा, कुरुक्षेत्र	9466946710		रामायण तथा तत् आधारित साहित्य में सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक चेतना	
F 21.	रोहिणी देवी	दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास	9813550147		रामायण में वर्णित सामाजिक व धार्मिक चेतना	
F 22.	सीता राम	सरकारी प्राइमरी स्कूल, शेरगढ़	8570809838		संस्कृत व हिंदी का सौ का जोड़	
F 23.	संदीप कौर	मारकण्डा नेशनल महाविद्यालय (शाहबाद मारकण्डा)	9306189319		रामायण-महाभारत की सांस्कृतिक चेतना का हिंदी साहित्य में विस्तार	
F 24.	मनु आर्या	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र	9411847961		रामायणकालीन समाज में नारी की स्थिति	
✓25.	Aditi	O.P. Jindal Global University, Sonepat	7027850262		Religious Epics in the Contemporary Context: Need for a New Imagination	
26.	डॉ. मनजीत कौर	दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र ✓	9992295520		रामायण-महाभारत पर आधारित हिंदी महाकाव्य में सामाजिक चेतना	
F 27.	सुमन लता	राजकीय महाविद्यालय घरौंडा (करनाल)	9416907621		रामायण महाभारत कालीन सामाजिक व्यवस्था	
28.	मनजीत सिंह	श्री राम मुख्त कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पंचकुला	8930843084		महाभारतकालीन पात्रों का ऐतिहासिक मूल्यांकन	
✓29.	शिवानी तंवर	दयानन्द महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र ✓	9728992954		रामायण-महाभारत आधारित साहित्य में सामाजिक चेतना	

Scanned with CamScanner

SR. NO	Name & Designation	College/ Institution	Phone, Email	Submitted/ Presented	Topic of paper	Received	Signature
30.	दीपाली वर्मा	दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र ✓	8168242307		रामायण-महाभारत आधारित साहित्य का स्त्री विमर्श		Deepali
31.	डॉ॰ पूजा शर्मा	दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र ✓	9034087311		रामायण-महाभारत पर आधारित हिंदी काव्य में सामाजिक चेतना	[signature]	[signature]
32.	Dr. Anu Chauhan	Dayanand Mahila Mahavidyalaya, KKR ✓	9416120984		The Impact of Ramayana on the Later Sanskrit Literature.	AChauhan	AChauhan
F 33.	कृष्णा देवी	बाबु अनन्त राम जनता महाविद्यालय, 'कौल', कैथल	8901293613		राम काव्य भक्ति परम्परा और साहित्य का अध्ययन	Krishna Devi	Krishna Devi
✓ 34.	Kanita Chugh	Dayanand Mahila Mahavidyalya ✓	8053420321		Ramayan Aadharit Sahitya Mein Shakshik Chetna	Kanita	Kanita
35.	डॉ॰ सीमा सिंह	दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र ✓	94169-35505		रामचरितमानस: नारीवादी और प्रगतिवादी मान्यताएँ	Seema	Seema
F 36.	श्रीमती मन्जू सैनी	शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय, मटक-माजरी, (इन्द्री..) करनाल	9467746184		उत्तरवर्ती साहित्य में रामायण-महाभारत के मूल कथा में हुए परिवर्तन-परिवर्धन का साहित्यिक मूल्यांकन	Saini	Saini
✓ 37.	Dr. Deepa Rani	Dayanand Mahila ✓ Mahavidyalaya, KKR	94167-39123		Feminism in Mahabharta done	Deepa	Deepa
✓ 38.	डॉ॰ सी॰के॰ झा	एम॰पी॰एन॰ कॉलेज, मुलाना	9466262442		महाभारत में पुरुषार्थचतुष्टय की विवेचना		[signature]
✓ 39.	मुकेश कुमार	हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला	6280298117	Attended	रामायण में आदर्श नैतिकता	MKP	MKP

Scanned with CamScanner

Sr. No.	Name & Designation	College/Institution	Phone No/Email	Submitted/Presented	Topic of paper	Received	Signature
40.	Minakshi Thakral	Dayanand Mahila Mahavidyalaya, KKR ✓	9991107764		Management Sutra from Geeta-Mahabharta	[illegible]	[illegible]
41.	Dr. Shweta Saini	Dayanand Mahila Mahavidyalaya, KKR ✓	9416876026		Popular Foods of Epic Period	15/1/19 Shweta Saini	Shweta
42.	Namita Singla	Dayanand Mahila Mahavidyalaya, KKR ✓	8529850933		Journey of Costumes from ancient to presented.		Namita
43.	Prabhjot Kaur	Dayanand Mahila Mahavidyalaya, KKR ✓	8950115939		Women characters in Ramayana	Prabhjot K	Prabhjot K
✓44.	Sapna Malik.	Dayanand Mahila Mahavidyalaya, KKR ✓	7988577657		Management Sutras from Geeta-Mahabharta	Malik	Malik
45.	Tanu Bura	Dayanand Mahila Mahavidyalaya, KKR ✓	7404283085		Female characters in Ramayana	Tanu	Tanu
f 46.	डॉ॰ नीलम	एम॰डी॰एस॰डी॰ गर्ल्ज कॉलेज, अम्बाला शहर	9466941671		रामायण के पात्रों का हिंदी साहित्य में अनुशीलन	नीलम	नीलम
f 47	जसदीप विर्क	माता सुंदरी खालसा गर्ल्ज कॉलेज निसिंग	9896044722		रामायण के पात्रों का हिन्दी साहित्य में अनुशीलन		[illegible]
48.	Dr. Upasana	DMM, KKR ✓	9416195345		Scientific Aspects of Ramayana.	[illegible]	[illegible]
✓49.	Dr. Himani	DMM, KKR ✓	9896052192		Pitiable Conditions of Women in Ramayana and Mahabharta	Himani	Himani
50.	Mrs. Punam Goyal	DMM, KKR ✓	9466786610		Influence of Ramayan on Indian Thought	[illegible]	[illegible]

Scanned with CamScanner

SR. No.	Name & Designation	College / Institution	Phone / Email	Submitted / Presented	Topic of paper	Received	Signature
51.	डॉ॰ आरती अग्रवाल	दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र	7015102723		भारतीय साहित्य के कीर्ति स्तम्भ - रामायण और महाभारत	[signature]	[signature]
52.	Ms. Tanima	Student, N.I.T. Jalandhar	01744-240741		Female Chalacters in Mahabhaeta	[signature]	[signature]
53.	Ms Diksha Chaima	Student - UBS, Punjab University, Chandigarh	8295059998		Status of women in epic period	For Chauhan	Diksha
54.	डॉ॰ एन॰ के॰ नागपाल	पूर्व प्राचार्य, आई॰ जी॰ एन॰ कॉलेज, लाडवा			भगवद्गीता में मनोविज्ञान		[signature]
55.	कु॰ कुसुम लता	संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली			रामायण पर आधारित स्त्री विमर्श		[signature]
56.	डॉ॰ सोमवीर आर्य	संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली			आधुनिक सन्दर्भ में रामायण और महाभारत का वैशिष्ट्य	[signature]	[signature]
57.	डॉ॰ सुशील कुमारी	मैत्रेयी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली			रामायण एवम् महाभारत में प्रतिपादित साम्य - वैषम्य	[signature]	[signature]
58.	प्रो॰ कृष्णा आचार्या	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक	9812133317		वाल्मीकि रामायण में वर्णित नारी की स्थिति	Received R/Suman [signature]	[signature]
59.	विभा अग्रवाल	संस्कृत विभाग, कु॰ वि॰ कुरुक्षेत्र	9416373478		महाभारत: एक उपजीव्य काव्य के रूप में	Received [signature] 30.1.19	[signature]
60.	डॉ॰ ब्रह्मदेव	गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार	9412307123		रघुवंश एवं अभिज्ञानशाकुन्तलम् में शैक्षिक-चेतना + Blank Certificate	R/S [signature]	[signature]

SR. No.	Name & Designation	College/Institution	Phone/Email	Submitted/Presented	Topic of paper	Received	Signature
61.	डॉ॰ सुमनकुमारी (राजन)	दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र	9416291884		'रामायण में राज्य-प्रबन्धन'		
62.	डॉ॰ रीजा	दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र	7404601790		महाभारत आधारित साहित्य में सामाजिक चेतना – महाकवि भास के सन्दर्भ में	[illegible]	
63.	नेहा दत्ता	दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र	9996015285		रामायण और महाभारत मे समानताएँ		
64.	डॉ॰ रामचन्द्र	IIHS, K.U.K.	9896396575		रामायण के आख्यान की युगानुकूल व्याख्या	[illegible]	
65	Mrs. Neelam	Dayanand Mahila Mahavidalya Kurukshetra	9671034065				Neelam
66	Ms Sheena	Dayanand Mahila Mahavidyalaya Kurukshetra	8529863277				Sheena
67.	Ms. Venu Madan	Dayanand Mahila Mahavidyalya KKR	99962601[illegible]				Veru
68	Ms. Priya	Dayanand Mahila Mahavidyalya K.K.R	9729780128				Priya
69	Ms. Manisha Battan	Dayanand Mahila Mahavidyalya KKR.	9034724627				Battan
70	Dr Geetanjali Chawla	Dayanand Mahila Mahavidyalya KKR	9996135235				Geetanjali
71.	Vibha Rani Chugh	Gurukul Kangri University Haridwar	90505738[illegible]		Theme of marriage in Ramayana		Vibha Rani Chugh

Scanned with CamScanner

Sr. No.	Name & Designation	College / Institution	Phone No. / Email	Submitted / Presented	Topic of paper	Page Received	Signature
72.	Anshu Chugh	G.B.N Govt. Polytechnic College, Nilokheri	9991935101		Ramayan Aadharit Samajik Chetna.		Anshu Chugh
73.	Deepika	Dayanand Mahila Mahavidyalya. Kurukshetra	9991455504				Deepika
74.	Ratika	Dayanand Mahila Mahavidyalya KKR.	9468425655				Ratika
75.	Jyoti Bajaj	Dayanand Mahila Mahavidyalya, K.K.R.	9991007956				Jyoti
76.	Anu Rani	Dayanand Mahila Maha-vidyalya, K.K.R	9253400039				A. Rani
77.	Ritu (RTH)	Dayanand Mahila Maha Vidyalya KKR	7206182219				Ritu.
78.	Rajwant Kaur	Dayanand Mahila Maha vidyalya KKR	9896958924				Rajwant Kaur
79.	Amita Saharan	Dayanand Mahila Mahavidyalya KKR	8295676141				Amita
80	Priya Sethi	Dayanand Mahila Mahavidyalya KKR	8950305653				Priya Sethi
81	Shivani	Dayanand Mahila Mahavidyalaya, K.K.R	7056445560				Shivani
82.	Ms Kavita	DMM, K.K.R	8295033115				Kavita
83.	Ms Jyoti	DMM, K.K.R	8950372994				Jyoti

Scanned with CamScanner

SR. No	Name & Designation	College/Institution	Ph. No	Submitted/Presented	Topic of Paper	Received	Signature
84.	Shilpa Garg	DMM, KKR ✓	9896155482				
85.	Richa Varma	DMM, KKR ✓	9896390166				Richa
86	Bhavana	DMM, KKR ✓	9996481363				
87.	Jyoti Rani	DMM, KKR ✓	9729704853				
88.	Asha Malik	DMM, KKR ✓	9996159179				
89.	Sudha Rani	DMM KKR ✓	9467860178				
90.	Kamlesh Kaushal	Dayanand Mahila Mahavidyalaya, Kurukshetra ✓	94660-96553				

30.1.2019

Principal
Dayanand Mahila Mahavidyalaya
Kurukshetra (Haryana)

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषय → रामायण - महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवम् हिन्दी साहित्य में अनुशीलन

दिनांक - 30/1/19

आयोजक - संस्कृत साहित्य परिषद्

(उपस्थित छात्राएं)

S.No	NAME	class	RollNo.
1	शीतल सैनी	B.A-III yr.	3143
2.	पूजा रानी	B.A-III yr.	3169
3.	आँचल	"	3344
4.	सपना	"	3251
5.	सुदक्षिणा	"	3201
6.	दीपिका	"	3219
7	शिवाङ्गी	"	3220
8.	सत्यवती	"	3348
9.	सुमन	"	3358
10	अञ्जलि	"	59.
11.	प्रियंका	"	3115
12.	अमरजीत	"	3147
13.	शिल्पा	"	3173
14.	सोनम	"	3188
15	रूपा	"	3193
16.	कोमल	"	3213

Scanned with CamScanner

S.No.	NAME	Class	Roll No.
17	विशाखा	B.A-III	3233
18.	सरिता देवी	"	3225
19.	रजनी देवी	"	3247
20.	नमिता देवी	"	3255
21.	रीना देवी	"	3266
22.	राजकुमारी	"	3304
23.	कोमल	"	3347
24.	अनु रानी	"	3338
25.	नेहा	"	3367
26.	पूनम	"	3380
27	स्वाति	"	3161
28	दीपा रानी	"	3163
29.	ज्योति	"	3318
30	मंजीत कौर	"	3363
31	सुनीता देवी	"	3389
32.	संगीता देवी	"	3279
33	सुषमा रानी	"	3238
34.	सोनिमा	"	3198
35	प्रियंका	"	3107
36.	निशा	"	3141
37	संजना	"	3191
38.	प्रियंका	"	3306

Scanned with CamScanner

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

प्रैस-नोट

दिनांक 30.01.19 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में संस्कृत साहित्य परिषद् द्वारा हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में 'रामायण-महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य में अनुशीलन' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि डॉ. सोमेश्वर दत्त, निदेशक, संस्कृत साहित्य अकादमी एवं डॉ. ब्रह्म देव आचार्य, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार का महाविद्यालय के महासचिव डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार जी ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजेश्वरी शर्मा ने बीज भाषण वक्ता प्रो. बलबीर आचार्य, पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक का तथा अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार पूर्व निदेशक संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, ओ.एस.डी., राज्यपाल हिमाचल प्रदेश का पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया। प्राचार्या महोदया एवं गणमान्य अतिथियों ने आर्य परम्परा का निर्वाह करते हुए दीप प्रज्वलन एवं वेदमन्त्रों द्वारा संगोष्ठी का उद्घाटन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजेश्वरी शर्मा ने गणमान्य अतिथियों का संक्षेप में परिचय देने के बाद बताया कि महाविद्यालय के प्रधान डॉ. रामप्रकाश जी एवं महासचिव डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार जी की दूरदृष्टि के कारण महाविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है। संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. सुमन राजन ने संगोष्ठी का उद्देश्य बताते हुए कहा कि रामायण एवं महाभारत भारतीय संस्कृति को आदिकाल से वर्तमान तक पुष्ट करते रहे हैं। अपने बीज वक्तव्य में श्री बलबीर आचार्य जी ने कहा कि रामायण ने विदेशों में रहने वाले हिन्दुओं को भी हिन्दू बनाए रखा और अनेक पीढ़ियों को संस्कार एवं दीप-दृष्टि दी। हिन्दी एवं संस्कृत के अतिरिक्त रामायण एवं महाभारत का अनेक भाषाओं में काव्य सृजन किया गया परन्तु समय के साथ-साथ इनकी मूल कथा को विकृत कर दिया गया। उदाहरण के तौर पर मूल महाभारत में द्रोपदी के पांच पति नहीं थे अपितु युधिष्ठिर ही द्रोपदी के पति थे। इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला।

मुख्यातिथि डॉ. सोमेश्वर दत्त ने रामायण-महाभारत को आदि ग्रन्थ बताते हुए जनसमुदाय से अनुरोध किया कि प्रत्येक भारतीय को ये ग्रन्थ मूल रूप में ही पढ़ने चाहिएं। संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार जी ने इन महाग्रन्थों में होने वाले परिवर्तनों के कारणों को जानने पर जोर दिया क्योंकि साहित्य का उद्देश्य लोकरंजन न होकर लोकहित होता है। उद्घाटन सत्र में ही महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. रूकमेश द्वारा लिखित महर्षि दयानन्द जी के शिक्षा दर्शन पर आधारित पुस्तक (स्वामी दयानंद का शिक्षा में योगदान)का विमोचन किया।

Scanned with CamScanner

प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. कृष्णा आचार्या जी ने सम्भाली। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्कृत भाषा की विशेषता एक गीतिका के माध्यम से प्रस्तुत की। सत्र की विशेषज्ञ विदूषी डॉ. विभा अग्रवाल, निदेशिका, संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने महाभारत तथा गीता में धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष पर चर्चा के साथ ही महाभारत आधारित ग्रन्थों के विषय में भी बताया। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. बह्म देव अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार ने सम्भाली तथा विशेषज्ञ विद्वान की भूमिका डॉ. सोमवीर आर्य, सहायक प्रवक्ता, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने निभाई तथा तकनीकी सत्र तृतीय की अध्यक्षता डॉ. हरिप्रकाश, प्राचार्य आई.जी.एन. कॉलेज लाडवा एवं विशेषज्ञ विदूषी डॉ. सुशील कुमारी, सहायक प्रवक्ता, संस्कृत विभाग, मैत्रीय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने निभाई। संगोष्ठी में विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्राध्यापकों तथा शोधार्थियों ने रामायण-महाभारत पर आधारित साहित्य में सामाजिक चेतना, धार्मिक चेतना, शैक्षिक चेतना, राजनीतिक चेतना पर चर्चा की तथा रामायाण-महाभारत आधारित साहित्य में स्त्री तथा पुरुष पात्रों का चारित्रिक अनुशीलन तथा भक्ति दर्शन पर अनेक लेखकों, विचारकों तथा महापुरुषों के विचार प्रस्तुत कर संगोष्ठी को रोचक बनाया तथा पुन: चिन्तन के लिए उपस्थित श्रोताओं को प्रेरित किया। छात्राओं ने भी गणमान्य आचार्य तथा विद्वानों से प्रश्न पूछकर जिज्ञासा संतुष्ट की। संगोष्ठी में 52 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये एवं 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संगोष्ठी के समापन सत्र में प्रो. भीम सिंह व डॉ. अरविन्द कुमार, पूर्व अध्यक्ष संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने महाभारत पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए आयोजकों को बधाई दी तथा कहा कि आज का विषय सार्थक है क्योंकि प्रात: काल से ही रामायण-महाभारत पर अमृत मंथन चल रहा है। अंत में प्राचार्या महोदया द्वारा गणमान्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया एवं उनका आभार व्यक्त करते हुए आयोजकों की प्रशंसा की। राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का समापन किया गया।

संगोष्ठी का आयोजन डॉ. सुमन राजन, संयोजिका तथा सदस्याएँ डॉ. रीजा, डॉ. मनजीत कौर, डॉ. सीमा सिंह, डॉ. आरती अग्रवाल तथा सुश्री ऋचा वर्मा ने किया।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

दैनिक भास्कर (31.01.2019)

डीएन महिला कॉलेज में हिंदी साहित्य पर हुई एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

रामायण ने विदेशों में रहने वाले हिंदुओं को भी बनाए रखा हिंदू : आचार्य बलबीर

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

डीएन महिला कॉलेज में बुधवार को संस्कृत साहित्य परिषद की ओर से रामायण-महाभारत आख्यानों का संस्कृत एवं हिंदी साहित्य में अनुशीलन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसका उद्घाटन सस्कृत साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. सोमेश्वर दत्त, गुरुकुल कांगड़ी यूनिवर्सिटी हरिद्वार के संस्कृत विभाग अध्यक्ष डॉ. ब्रह्मदेव आचार्य, कॉलेज महासचिव डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार और प्राचार्या डॉ. विजेश्वरी शर्मा ने किया।

संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. सुमन राजन ने कहा कि रामायण एवं महाभारत भारतीय संस्कृति को आदिकाल से वर्तमान तक पुष्ट करते रहे हैं। अपने बीज वक्तव्य में बलबीर आचार्य ने कहा कि रामायण ने विदेशों में रहने वाले हिंदुओं को भी हिंदू बनाए रखा और अनेक पीढ़ियों को संस्कार दिए। हिंदी एवं संस्कृत के अलावा रामायण एवं महाभारत का कई भाषाओं में काव्य सृजन किया गया लेकिन समय के साथ-साथ इनकी मूल कथा को विकृत कर दिया गया। उदाहरण के तौर पर मूल महाभारत में द्रोपदी के पांच पति नहीं थे बल्कि युधिष्ठिर ही द्रोपदी के पति थे। इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला। मुख्यातिथि डॉ. सोमेश्वर दत्त ने रामायण-महाभारत को आदि ग्रंथ बताते हुए इन ग्रंथ को मूल रूप में ही पढने का आह्वान किया। संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार ने इन ग्रंथों में होने वाले परिवर्तनों के कारणों को जानने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साहित्य का उद्देश्य लोकरंजन न होकर लोकहित होता है। उद्घाटन सत्र में ही महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. रुकमेश द्वारा लिखित महर्षि दयानंद के शिक्षा दर्शन पर आधारित पुस्तक स्वामी दयानंद का शिक्षा में योगदान का विमोचन किया। इसके बाद पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. कृष्णा आचार्या ने की। केयू के संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान की निदेशिका डॉ. विभा अग्रवाल ने महाभारत और गीता में दिए धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष पर चर्चा की। दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. ब्रह्मदेव ने की। इस अवसर पर डॉ. सोमवीर आर्य, डॉ. हरिप्रकाश, डॉ. सुशील कुमारी, डॉ. भीम सिंह, डॉ. रीजा, डॉ. मनजीत कौर, डॉ. सीमा सिंह, डॉ. आरती अग्रवाल और रिचा वर्मा मौजूद रही।

डीएन कॉलेज में आयोजित रामायण-महाभारत संगोष्ठी में हिस्सा लेते प्रतिभागी।

दैनिक जागरण (31.01.2019)

प्रत्येक भारतीय रामायण और महाभारत को पढ़े : डॉ. दत्त

दयानंद महिला महाविद्यालय के कार्यक्रम मे मंच पर उपस्थित मुख्यातिथि व अन्य।

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : संस्कृत साहित्य परिषद् द्वारा हरियाणा संस्कृत अकादमी के निदेशक डॉ. सोमेश्वर दत्त ने रामायण-महाभारत को आदि ग्रंथ बताते हुए जनसमुदाय से अनुरोध किया कि प्रत्येक भारतीय को ये ग्रन्थ मूल रूप में ही पढ़ने चाहिए। वे दयानंद महाविद्यालय में रामायण-महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य में अनुशीलन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ब्रह्म देव आचार्य विशिष्ट अतिथि थे।

मुख्य वक्ता बलबीर आचार्य ने कहा कि रामायण ने विदेशों में रहने वाले हिंदुओं को भी हिंदू बनाए रखा और अनेक पीढ़ियों को संस्कार एवं दीप-दृष्टि दी। हिंदी एवं संस्कृत के अतिरिक्त रामायण एवं महाभारत का अनेक भाषाओं में काव्य सृजन किया गया। समय के साथ-साथ इनकी मूल कथा को विकृत कर दिया गया।

Scanned with CamScanner

पंजाब केसरी (31.01.2017)

'रामायण-महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य में अनुशीलन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

'प्रत्येक भारतीय रामायण-महाभारत पढ़े'

कुरुक्षेत्र, 30 जनवरी (अरोड़ा): पिपली रोड स्थित दयानंद महिला महाविद्यालय में संस्कृत साहित्य परिषद ने हरियाणा संस्कृत अकादमी (पंचकूला) के संयुक्त तत्वावधान में 'रामायण-महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवं हिन्दी साहित्य में अनुशीलन' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

इसके उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि डा.सोमेश्वर दत्त निदेशक संस्कृत साहित्य अकादमी एवं डा.ब्रह्मदेव अध्यक्ष संस्कृत विभाग गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार का महाविद्यालय के महासचिव डा.राजेंद्र विद्यालंकार ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

महाविद्यालय की प्राचार्या डा.विजेश्वरी शर्मा ने बीज भाषण वक्ता प्रो.बलबीर आचार्य पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक तथा अध्यक्ष डा.राजेंद्र विद्यालंकार पूर्व निदेशक संस्कृत एवं प्राच्यविद्या संस्थान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, ओ.एस.डी. राज्यपाल हिमाचल प्रदेश का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डा.विजेश्वरी शर्मा ने गणमान्य अतिथियों का संक्षेप में परिचय देने के बाद बताया कि महाविद्यालय के प्रधान डा.रामप्रकाश एवं महासचिव डा.राजेंद्र विद्यालंकार की दूरदृष्टि के कारण महाविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

कार्यक्रम में भाग लेते अतिथि व उपस्थिति। (अरोड़ा)

संयोजिका डा.सुमन राजन ने संगोष्ठी का उद्देश्य बताया। अपने बीज वक्तव्य में बलबीर आचार्य ने कहा कि रामायण ने विदेशों में रहने वाले हिन्दुओं को भी हिन्दू बनाए रखा और अनेक पीढ़ियों को संस्कार एवं दीप-दृष्टि दी। डा.सोमेश्वर ने रामायण-महाभारत को आदिग्रंथ बताते हुए जनसमुदाय से अनुरोध किया कि प्रत्येक भारतीय को ये ग्रंथ मूल रूप में ही पढ़ने चाहिएं। डा.विद्यालंकार ने इन महाग्रंथों में होने वाले परिवर्तनों के कारणों को जानने पर जोर दिया।

उद्घाटन सत्र में ही महाविद्यालय की प्राध्यापिका डा.रुक्मेश द्वारा लिखित महर्षि दयानंद के शिक्षा दर्शन पर आधारित पुस्तक (स्वामी दयानंद का शिक्षा में योगदान) का विमोचन किया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डा.कृष्णा आचार्या ने सम्भाली। सत्र की विशेषज्ञ विदुषी डा.विभा अग्रवाल निदेशिका संस्कृत एवं प्राच्यविद्या संस्थान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने महाभारत तथा गीता में धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष पर चर्चा के साथ ही महाभारत आधारित ग्रंथों के विषय में भी बताया। अनेक लेखकों, विचारकों तथा महापुरुषों के विचार प्रस्तुत कर संगोष्ठी को रोचक बनाया तथा पुनः चिंतन के लिए श्रोताओं को प्रेरित किया। छात्राओं ने भी गणमान्य आचार्य तथा विद्वानों से प्रश्न पूछकर जिज्ञासा संतुष्ट की। संगोष्ठी में 52 शोधपत्र प्रस्तुत किए एवं 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संगोष्ठी के समापन सत्र में प्रो.भीम सिंह पूर्व अध्यक्ष संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने महाभारत पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का आयोजन डा.सुमन राजन संयोजिका तथा सदस्य डा.रीजा, डा.मनजीत कौर, डा.सीमा सिंह, डा.आरती अग्रवाल तथा ऋचा वर्मा ने किया।

अमर उजाला (31.01.2017)

रामायण-महाभारत के व्याख्यानों का संस्कृत एवं हिंदी साहित्य में अनुशीलन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

हिंदुत्व को बचाने में रामायण का अहम योगदान

अमर उजाला ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। दयानंद महिला कालेज में संस्कृत साहित्य परिषद द्वारा हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला के संयुक्त तत्वाधान में रामायण-महाभारतीय आख्यानों का संस्कृत एवं हिंदी साहित्य में अनुशीलन' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। इस मौके पर बीज भाषण प्रस्तुत करते हुए एमडीयू रोहतक संस्कृत विभागाध्यक्ष बलबीर आचार्य ने कहा कि रामायण ने विदेशों में रहने वाले हिंदुओं को भी हिंदू बनाए रखा। हिंदी एवं संस्कृत के अतिरिक्त रामायण एवं महाभारत का अनेक भाषाओं में काव्य सृजन किया गया, लेकिन समय के साथ इनकी मूल कथा को विकृत कर दिया गया। उदाहरण के तौर पर मूल महाभारत में द्रोपदी के पांच पति नहीं थे अपितु युधिष्ठिर ही द्रोपदी के पति थे।

इससे पूर्व संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए संस्कृत साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. सोमेश्वर दत्त बतौर मुख्य अतिथि तथा संस्कृत विभाग हरिद्वार के अध्यक्ष का कालेज के महासचिव डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार ने स्वागत किया। प्राचार्या डॉ. विजेश्वरी शर्मा ने बीज भाषण वक्ता प्रो. बलबीर आचार्य, पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक तथा अध्यक्ष डा. राजेंद्र विद्यालंकार पूर्व निदेशक संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान, केयू ओएसडी, राज्यपाल हिमाचल प्रदेश का आभार जताया। प्राचार्या ने बताया कि प्रधान डॉ. रामप्रकाश एवं महासचिव डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार की दूरदृष्टि के कारण महाविद्यालय प्रगति के पथ पर अग्रसर है। संगोष्ठी संयोजिका डॉ. सुमन राजन ने संगोष्ठी का उद्देश्य बताते हुए कहा कि रामायण एवं महाभारत भारतीय संस्कृति को आदिकाल से वर्तमान तक पुष्ट करते रहे हैं। डॉ. सोमेश्वर दत्त ने रामायण-महाभारत को आदि ग्रंथ बताते हुए जनसमुदाय से अनुरोध किया कि प्रत्येक भारतीय को ये ग्रंथ मूल रूप में ही पढ़ने चाहिए। संगोष्ठी अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार ने महाग्रंथों में होने वाले परिवर्तनों के कारणों को जानने पर जोर दिया। प्राध्यापिका डा. रूकमेश द्वारा लिखित महर्षि दयानंद के शिक्षा दर्शन पर आधारित पुस्तक (स्वामी दयानंद का शिक्षा में योगदान) का विमोचन किया गया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. कृष्णा आचार्या ने की। सत्र की विशेषज्ञ विदुषी डॉ. विभा अग्रवाल, निदेशिका, संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान केयू ने महाभारत तथा गीता में धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष पर चर्चा के साथ ही महाभारत आधारित ग्रंथों के विषय में भी बताया।

दयानंद कालेज में कार्यक्रम के दौरान शामिल अतिथि एवं शिक्षिकाएं।

Scanned with CamScanner